

Signature and Name of Invigilator

Roll No. 

--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

1. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

2. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

Roll No. \_\_\_\_\_

(In words)

Test Booklet No.

**J-0705**

PAPER – III

Time : 2½ hours]

**ANTHROPOLOGY**

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 36

Number of Questions in this Booklet : 26

**Instructions for the Candidates**

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

**No Additional Sheets are to be used.**

3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

(i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

(ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.

4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. Use only Blue/Black Ball point pen.
9. Use of any calculator or log table etc. is prohibited.
10. There is NO negative marking.

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

**इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।**

3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

(i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

(ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।

4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
10. गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

## ANTHROPOLOGY

मानवविज्ञान

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

**NOTE:** This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given herewith.

**नोट :** यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंको का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

## SECTION - I

### खंड – I

**NOTE:** This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 Marks)

**नोट :** इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

**Read the following paragraph carefully and answer all the questions given below. Answers should not exceed 30 words in each case.**

The question whether mankind consists of one or several species has of late years been much discussed by anthropologists, who are divided into the two schools of monogenists and polygenists. Those who do not admit the principle of evolution, must look at species as separate creations, or as in some manner as distinct entities; and they must decide what forms of man they will consider as species by the analogy of the method commonly pursued in ranking other organic beings as species. But it is a hopeless endeavour to decide this point, until some definition of the term "species" is generally accepted; and the definition must not include an indeterminate element such as an act of creation. We might as well attempt without any definition to decide whether a certain number of houses should be called a village, town, or city. We have a practical illustration of the difficulty in the never-ending doubts whether many closely - allied mammals, birds, insects, and plants, which represent each other respectively in North America and Europe, should be ranked as species or geographical races; and the like holds true of the productions of many islands situated at some little distance from the nearest continent.

Those naturalists, on the other hand, who admit the principle of evolution, and this is now admitted by the majority of rising men, will feel no doubt that all the races of man are descended from a single primitive stock; whether or not they may think fit to designate the races as distinct species, for the sake of expressing their amount of difference. With our domestic animals the question whether the various races have arisen from one or more species is somewhat different. Although it may be admitted that all the races, as well as all the natural species within the same genus, have sprung from the same primitive stock, yet it is a fit subject for discussion, whether all the domestic races of the dog, for instance, have acquired their present amount of difference since some one species was first domesticated by man; or whether they owe some of their characters to inheritance from distinct species, which had already been differentiated in a state of nature. With man no such question can arise, for he cannot be said to have been domesticated at any particular period.

During an early stage in the divergence of the races of man from a common stock, the differences between the races and their number must have been small; consequently as far as their distinguishing characters are concerned, they then had less claim to rank as distinct species than the existing so-called races. Nevertheless, so arbitrary is the term of species, that such early races would perhaps have been ranked by some naturalists as distinct species, if their differences, although extremely slight, had been more constant than they are at present, and had not graduated into each other.

**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें तथा सभी प्रश्नों का उत्तर 30 शब्दों से अधिक में न हो :**

नृतत्व शास्त्रियों ने इस प्रश्न पर बहुत विचार विमर्श किये कि क्या मानवता किसी एक जाति अथवा पिछले बहुत वर्षों तक की विभिन्न जातियों को लेकर बनी है। वे नृतत्वशास्त्री दो स्कूलों में बंटे थे – एक उत्पत्तिमूलक और बहु उत्पत्तिमूलक जो विद्वान विकास के सिद्धान्त को स्वीकार नहीं करते, उन्हें यह देखना चाहिए कि जातियाँ अलग सृष्टि हैं या फिर दूसरे ढंग की विभिन्न सत्ता हैं। उन्हें स्वयं निर्णय करना चाहिए कि वे मनुष्य को किस प्रकार की जाति के रूप में स्वीकार करेंगे, उनकी अनुरूपता के उस तरीके से जो दूसरे जैविक प्राणियों की जाति के स्तर निर्धारक के लिए अपनाया जाता है। लेकिन इसका निर्णय करना वस्तुतः एक निराशापूर्ण प्रयास है। जब तक जाति (स्पीसीज) शब्द की कोई परिभाषा सामान्य रूप से स्वीकार न कर ली जाय तथा यह परिभाषा किसी अनिश्चित तथ्य को समाहित न करे, जैसे सृष्टि की क्रिया को। हमें ऐसा प्रयास करना चाहिए कि बिना किसी परिभाषा के यह निर्णय कर लें कि कुछ संख्यावाले घरों को एक गाँव, शहर या नगर कहा जाय। हमने एक व्यावहारिक प्रत्यक्ष कठिनाई देखी है और ये सभी अन्त न होनेवाली आशंकायें हैं : कि समरूप स्तनधारी प्राणी और पक्षी, कीड़ें तथा पौधों को जो उत्तरी अमेरिका और यूरोप में एक दूसरे का प्रतिनिधित्व करते हैं उन्हें जाति (स्पीसीज) के रूप में या फिर भौगोलिक प्रजातियों (रेसेस) के रूप में स्तरबद्ध किया जाय तथा ऐसे ही कुछ दूरी पर लेकिन किसी प्रायद्वीप के निकटतम स्थित कई द्वीपों के उत्पादकों के लिए भी यह बात सही है। दूसरी ओर वे प्रवृत्ति विज्ञानी जो विस्तारवाद के सिद्धान्त को स्वीकार करते हैं तथा वर्तमान में उन्नत मनुष्य भी इसे स्वीकार करते हैं और वस्तुतः वे शंकाहित होकर यह महसूस करते हैं कि मनुष्य की सारी प्रजातियाँ एक ही 'आदिम सूची' से निसृत हुई हैं, चाहे वे यह स्वीकार करें या नहीं कि सभी तथाकथित प्रजातियाँ (रेसेज) सुनिश्चित जातियाँ (स्पीसीज) ही हैं, चाहे वे अभिव्यक्ति में विभिन्न प्रतीत होती हो। हमारे पालतू जानवरों के विषय यह प्रश्न करना कि विभिन्न प्रजातियाँ किसी एक जाति से आयीं या अनेक जातियों से – यह अलग बात है। जब कि यह स्वीकार किया जा सकता है कि सभी प्रजातियाँ अन्य सभी प्राकृतिक जातियों की तरह ही, उसी वंश के अन्तर्गत हैं, वे "उसी आदिम सूची (प्रभव)" से उत्पन्न हुई – और यह विषय तर्क वितर्क के लिए एक उचित विषय है; उदाहरण के लिए कुत्तों की सारी पालतू प्रजातियों (रेसेज) ने वर्तमान की विभिन्नताओं को ग्रहण किया है क्योंकि किसी एक जाति (स्पीसीज) को मनुष्य ने सर्वप्रथम पालतू बनाने का काम किया या फिर उनकी कुछ विशेषतायें किसी पूर्व के प्रथक जाति से वंशागत थी, जो अपने स्वभाव से पहले अलग था।

मनुष्य के सम्बन्ध में ऐसे प्रश्न पैदा नहीं होते क्योंकि उसके लिए ऐसा नहीं कहा जा सकता है कि वह किसी विशेष युग में पालतू बनाया गया था।

आरम्भिक स्तरों में जब मनुष्य को एक सामान्य सूची से विभिन्न प्रजातियों (रेसेज) में अलग किया गया तब प्रजातियों और उनकी संख्या का अन्तर बहुत कम था। कालान्तर में जहाँ तक उनकी विलुप्त होनेवाली विशेषताओं की बात है उनको विशिष्ट जाति के रूप में समूहबद्ध करने का दावा कम हो जाता है, बल्कि वर्तमान में मौजूद तथाकथित प्रजाति के रूप में स्वीकारा जा सकता है।

इसमें संदेह नहीं कि जाति (स्पीसीज) शब्द उतना निरंकुश है कि आरम्भिक प्रजातियों को शायद कुछ प्रवृत्ति विज्ञानियों ने उनके भिन्न होने के कारण, उन्हें विशिष्ट जातियाँ मान लिया था, जबकि बहुत कम ही एकदम अपरिवर्तनीय थे, जितना वे आज हैं तथा वे एक दूसरे में श्रेणीबद्ध या क्रमबद्ध नहीं हैं।

1. Why are anthropologists divided into two schools of monogenists and polygenists ?  
नृतत्वशास्त्रियों को – एक उत्पत्तिमूलक तथा बहु उत्पत्तिमूलक – इन दो स्कूलों में क्यों बाँटा गया है?

2. What is the difficulty in working out a generally accepted definition of the “species” ?  
सामान्य रूप से स्वीकृत ‘स्पीसीज’ (जाति) की परिभाषा को व्यावहारिक रूप देने में क्या कठिनाई है?

3. What is the stand of naturalists believing in the principle of evolution on the origin of all the races of man ?

विकासवाद के सिद्धान्तों के अनुसार, मनुष्य की प्रजातियों की उत्पत्ति के विषय, प्रकृति विज्ञानियों की क्या धारणा है?

4. In what respect man stands on a different footing compared to 'the domestic races of the dog' ?

तुलना करने पर मनुष्य कैसे 'कुत्ते की पालतू प्रजाति' से भिन्न है?

5. Comment on an early divergence of the races of man from a common stock.

सामान्य सूची (कामन स्टॉक) से 'मनुष्य की प्रजातियों के पृथक होने पर टिप्पणी करें।

## SECTION - II

## खंड-II

**NOTE:** This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

**(5x15=75 Marks)**

**नोट :** इस खंड में पाँच (5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. What is meant by “Molecular Genetics” ?

‘आणविक वंशगतता’ से आप क्या समझते हैं?

[illegible]



## 7. What is Gerontology ?

## ‘जराविज्ञान’ क्या है?

## 8. Who are the early Hominoids ?

## प्रारम्भिक मानव कौन है?

9. What is inbreeding coefficient ? Does it affect the gene frequency in human population ?

‘अन्तक प्रजनन गुणांक’ क्या है? मानव जनसंख्या में ‘जीन आवृत्ति’ पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है?

10. Distinguish between natural and incomplete antibodies.

प्रकृत एवं अपूर्ण प्रतिरक्षियों (एन्टीबॉडिज) में अन्तर बताइए?

11. Explain the geo-physical methods of archaeological explorations.

प्रागैतिहासिक अनुसन्धान की भौतिक-भूगर्भीय पद्धतियों का विवरण दें।

12. What is ethno-archaelogy ?

एथ्न्-प्रागैतिहास क्या है ?

13. Cite evidences of pleistocene climatological changes.

प्लीस्टोसीन जलवायुवीय परिवर्तन के प्रमाण बतायें।

14. What is archaeomagnetism ?

‘आरक्चोमॅग्नेटिज्म’ क्या है ?

15. Write a short note on Upper Palaeolithic Art.

‘उत्तर प्राचीन पाषाण युग की कला’ पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

16. What is Ecological Anthropology ?

‘पर्यावरणीय नृतत्व’ क्या है?

17. How do you define emic and etic approaches ?

‘एमिक’ और ‘एटिक’ की धारणा को परिभाषित करें।

18. State the functions of religion.

धर्म के कार्यों के विषय लिखें।

19. As a tribal state, what is the main problem of Jharkhand ?

जनजातीय राज्य की हैसियत से, झारखंड की मुख्य समस्या क्या है?

20. Comment on ethnicity's regional bias.

‘एथनिसिटी’ का आधार क्षेत्रीयता है – इस पर टिप्पणी करें।

### SECTION - III

#### खंड – III

**NOTE:** This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 Marks)

**नोट :** इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचों प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

#### Elective - I

#### विकल्प – I

#### PHYSICAL ANTHROPOLOGY

#### शारीरिक मानव विज्ञान

21. Critically examine the synthetic theory of evolution.  
उद्द्विकास के संश्लेषित सिद्धांत का आलोचनात्मक विवरण दें।
22. What is G<sub>6</sub> PD deficiency ? Describe its distribution.  
जी<sub>6</sub>पी.डी. की कमी किसे कहते हैं? इसके वितरण का वर्णन करें।
23. What is “Balanced Genetic Polymorphism” ? Explain with suitable examples  
‘आनुवंशिक संतुलित बहुरूपता’ क्या है? सोदाहरण चर्चा कीजिए।
24. Discuss the changes in human pelvic girdle due to erect posture.  
सीधे खड़े होने के कारण ‘मानव श्रेणीय मेखला’ में क्या परिवर्तन आता है, तर्कपूर्ण उत्तर दें।
25. Discuss briefly the importance of blood group studies in medico - legal sciences.  
रक्त समूह के अध्ययन का चिकित्सीय कानून में क्या महत्त्व है? संक्षेप में लिखें।

OR / अथवा



**Elective - II**  
**विकल्प – II**  
**PREHISTORIC ARCHEOLOGY**  
**प्रगैतिहासिक विज्ञान**

21. What are the major approaches in Archeological studies ?  
प्रगैतिहासिक अध्ययन की प्रमुख धारणायें क्या हैं?
22. Bring out the major characteristics of middle palaeolithic of Europe.  
यूरोप के मध्यकालीन पुरापाषाणयुग की प्रमुख विशेषताओं की चर्चा करें।
23. Trace the relationships between post-pleistocene climatological changes and development of incipient cultivation.  
उत्तर प्लेस्टोसीन जलवायुवीय परिवर्तनों तथा आरम्भिक अविकसित कृषि के विकास का सम्बन्ध बताइए।
24. What is the social and economic impact of domestication of plants and animals ?  
पौधों और जानवरों के पालतूकरण का क्या सामाजिक और आर्थिक प्रभाव पड़ा?
25. Write a note on the Megaliths of Indian sub-continent.  
भारतीय उपखंड के महापाषाण (मेगालिथ्स) पर टिप्पणी लिखें।

**OR / अथवा**

**Elective - III**  
**विकल्प – III**  
**SOCIAL CULTURAL ANTHROPOLOGY**  
**सामाजिक - सांस्कृतिक मानव विज्ञान**

21. Trace the unilateral development of Social Anthropology with reference to india.  
भारत के संदर्भ में सामाजिक नृत्व के एकांगी विकास का परिचय दीजिए।
22. Write briefly Julian Steward's 'Method of Cultural Ecology'.  
जूलियन स्टूवर्ड के 'सांस्कृतिक पर्यावरण-पद्धति' के विषय की संक्षिप्त चर्चा करें।
23. Is family a universal social unit ? What are its principal functions ?  
क्या परिवार एक विश्वव्यापी सामाजिक इकाई है? इसके मुख्य कार्य क्या हैं?
24. Briefly discuss the concept of social structure as propounded by Claude Levi-Strauss.  
'क्लाउड लेवी-स्ट्रास' द्वारा प्रतिपादित सामाजिक संरचना की अवधारणा के विषय संक्षेप में चर्चा करें।
25. Discuss how division of labour works in human society.  
मानव समाज में श्रम-विभाजन कैसे कार्यान्वित होता है, तर्कपूर्ण उत्तर दें।

[illegible]

This image shows a single sheet of white paper with horizontal ruling lines. The lines are evenly spaced and run across the width of the page. There are no margins, text, or other markings on the paper.

[illegible]

This image shows a single sheet of white paper with horizontal ruling lines. The lines are evenly spaced and run across the width of the page. There are no margins, text, or other markings on the paper.

[illegible]

This image shows a single sheet of white paper with horizontal ruling lines. The lines are evenly spaced and run across the width of the page. There are no margins, text, or other markings on the paper.

[illegible]



This image shows a single sheet of white paper with horizontal ruling lines. The lines are evenly spaced and run across the width of the page. There are no margins, text, or other markings on the paper.

[illegible]

This image shows a single sheet of white paper with horizontal ruling lines. The lines are evenly spaced and run across the width of the page. There are no margins, text, or other markings on the paper.

SECTION - IV

खंड – IV

**NOTE:** This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 Marks)

**नोट :** इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Write an essay on the adaptive significance of Human Variation.  
मनुष्य के विभिन्न रूपान्तरण में अनुकूलन का क्या महत्व है – इस पर निबन्ध लिखें।

**OR / अथवा**

Trace the objective conditions under which the Indus Civilization emerged and bring out the spread of this civilization.

उन वस्तुनिष्ठ परिस्थितियों की खोज करें, जिनके अन्तर्गत सिंधुघाटी सभ्यता का उद्भव हुआ तथा उस सभ्यता का प्रसार हुआ।

**OR / अथवा**

Review the scope of culture and personality studies in Anthropology as the basis of contributions made in this field.

नृतत्वशास्त्र में संस्कृति और वैयक्तिकता के अध्ययन की प्राप्ति का, इस क्षेत्र के योगदानों के परिप्रेक्ष्य में मूल्यांकन करें।

This image shows a single sheet of white paper with horizontal ruling lines. The lines are evenly spaced and run across the width of the page. There are no margins, text, or other markings on the paper.

[illegible]

[illegible]

[illegible]



This image shows a single sheet of white paper with horizontal ruling lines. The lines are evenly spaced and run across the width of the page. There are no margins, text, or other markings on the paper.

[illegible]

This image shows a single sheet of white paper with horizontal ruling lines. The lines are evenly spaced and run across the width of the page. There are no margins, text, or other markings on the paper.

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....